पुकारती मानवता

उठो,चलो
पुकारती है मानवता
अधिकार किसी मजलूम के
बचा सकेगी मानवता
जिसमें होता सेवा का जज्बा
सबकुछ न्योछावर करता है
सिर्फ बातें हीं बड़ी करने वाला
ना अपना धर्म निभाता है
कुछ इंसान दुनिया मे होते है
जो निशां छोड़कर जाते हैं
जीवन की हकीकत से हमे
वाकिफ कराकर जाते हैं
छोटी चींटी के कर्मभाव से
हमें सीखते रहना है
उसी की तरह इस धरती पर
राहें खोजते रहना है
कोरोना की इस विपदा में
कुछ समझ ना आता है
सेवा का भाव रखने वांला
मानव का रखवाला है
त्याग करें और मीठा बोलें
ये सेवा के औज़ार है
ऐसे लोगों का प्रेम भाव ही
ख़ुशियों का आधार है

✍ **गोपाल कृष्ण व्यास**